मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 12 अगस्त 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	12-08-14	13-08-14	14-08-14	15-08-14	16-08-14
वर्षा (मि.मी.)	5	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	29	30	30	29	28
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	27	27	26	25	24
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	6	7	7	6	5
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	84	83	85	83	87
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	65	59	63	62	62
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	20	22	20	19	13
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

जहाँ बाजरा की फसल 3–4 सप्ताह की हो गई हो व पिछले सप्ताह अच्छी वर्षा हुई हो वहॉ पक्तिंयों के बीच 5–7 से.मी. गहराई पर कल्टी चला कर यूरिया की 40 से 50 किलो ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर दें।

मौसम के साफ होते ही किसान भाई निराई–गुड़ाई करें। इससे खरपतवार नियंत्रण के साथ साथ पौधों की जड़ों में हवा का संचार भी अच्छा रहेगा।

मूंग, मोठ की फसल में फली छेदक लट का प्रकोप दिखाई देने पर मैलाथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 मिली. मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

टमाटर, बैंगन, मिर्च, प्याज, गोभी आदि के पाधौं की रापेाई करें। पौध को रोपाई से पहले ट्राइकोडर्मा से जरूर उपचारित करें। पांच लीटर पानी में 100 ग्राम ट्राइकोडर्मा घोलें। इस घोल में पौधों की जड़ों को आधा घण्टे तक डुबोयें। इसके बाद खेत में रोपाई करें।

पशुशाला को साफ–सुथरा व सूखा रखें तथा पानी जमा न होने दें। मच्छरों से बचाव के लिए पशुशाला के पास नीम की पत्तीयों का धुआं करें।

सभी पशुओं को कृमिनाशक दवा अवश्य पिलाएं तथा चिचडों का इलाज भी करायें। गलघोटू व काला ज्वर के लिए पशुओं का टीकाकरण अवश्य करायें।